

## Padma Bhushan



### SMT. USHA UTHUP

Smt. Usha Uthup is an internationally renowned singer who has spread a message of love and unity, peace and harmony, tolerance and integrity, and happiness - through music for the last 54 years. Her presenting even the most contemporary songs dressed in traditional attire projects the fact that India is a true melting pot of world cultures with its own distinctive cultural identity.

2. Born on 8<sup>th</sup> November, 1947 Smt. Uthup, or Didi as she is fondly called, comes from a traditional middle class South Indian family. Her career began in 1969 at Chennai nightclub called Nine Gems and she has recorded more than a hundred albums. She sings in 17 Indian languages and 8 Foreign languages. She has served as a role model for generations of young Indians and has been an unwavering ambassador for traditional Indian values. She has always worn a Sari (Kanjeevaram), fresh flowers in her hair and a beaming smile.

3. Smt. Uthup's music has charmed generations of Indians, young and old. Her melody speaks a universal language and transcends religion, race, nationality and caste. She has given people in far flung cultures an unexpected image of an Indian woman: strong, independent, humorous, intelligent and loaded with talent.

4. Smt. Uthup pioneered the most path breaking show on Doordarshan, "POP TIME" featuring only POP Shows. She represented India through ICCR across Europe, Africa and Asia. She also worked in South Africa extensively for various charities including SPCA and Milk Fund in Durban, collecting over 1 million Rand. She sang "Aage Badho" for women's empowerment in 15 languages for the Government of India; composed and recorded a song called "The Peace Prayer" based on a poem by former President Shri APJ Abdul Kalam. She performed at the prestigious TED and INK Conferences and performed at the World Eco Forum in Davos. She also performed at the Canonization for Mother Teresa in September, 2016 in the Vatican City.

5. Smt. Uthup has dedicated herself for social causes through her art. She worked for Mother Teresa's Missionaries of Charity mobilising funds for Prem Daan, Sishu Bhavan, in Kalighat, Kolkata; represented India at Mother's beatification at the Vatican City on invitation by the Pope; worked extensively for Spastics Association; actively worked for the leprosarium and supported the home for people suffering from leprosy across the nation; worked in innumerable NGOs and with the Government supporting research for cancer, AIDS, women trafficking, child abuse; worked with The Richard Gere Foundation for AIDS. She worked extensively with NGOs concerned with empowerment of women such as Swayam, Ladli; mobilized more than 100 artists for the victims of the Tsunami and more recently for the victims of Aila. She worked for street children and children coming from red light areas.

6. Smt. Uthup was awarded 'Key to Kenya' by the Late President Mzee Jomo Kenyatta, for contribution to bring communities of the world together through song and the Person of the World, by the President Daniel Arap Moi. She has also received Padma Shri Award in the year 2011; Film Fare Award for the song "Darling" in 2011 and Life Time Achievement Award from Radio Mirchi in 2017.

## पद्म भूषण



### श्रीमती उषा उत्थुप

श्रीमती उषा उत्थुप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रख्यात गायिका हैं जिन्होंने पिछले 54 वर्षों से संगीत के जरिए प्रेम और एकता, शांति और सद्भाव, सहिष्णुता और अखंडता तथा खुशी का संदेश फैलाया है। वह सबसे आधुनिक गीतों को भी पारंपरिक परिधान में प्रस्तुत करती हैं जो यह दर्शाता है कि भारत विश्व संस्कृतियों का केन्द्र रहा है जिसकी अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है।

2. 8 नवंबर 1947 को जन्मी श्रीमती उत्थुप को, जिन्हें प्यार से दीदी बुलाया जाता है, एक परंपरागत मध्यम वर्गीय दक्षिण भारतीय परिवार से आती हैं। उनका करियर 1969 में चेन्नै के नाइट क्लब नाइन जेम्स से शुरू हुआ और उन्होंने सौ से अधिक एल्बम रिकॉर्ड किए हैं। वह 17 भारतीय भाषाओं और 8 विदेशी भाषाओं में गाती हैं। वह युवा भारतीयों की कई पीढ़ियों के लिए एक रोल मॉडल रही हैं और पारंपरिक भारतीय मूल्यों की श्रेष्ठ वाहक रही हैं। वह हमेशा साड़ी (कांजीवरम) पहनती हैं, बालों में ताजे फूल लगाती हैं और दमकती हुई मुस्कुराहट के साथ आती हैं।

3. श्रीमती उत्थुप के संगीत ने चाहे छोटे हों या बड़े सभी भारतीयों को मंत्रमुग्ध किया है। उनके मधुर गीतों की भाषा सर्वव्यापी है और धर्म, नस्ल, राष्ट्रीयता व जाति से परे है। उन्होंने दूर-दराज की संस्कृतियों के लोगों के मन में भारतीय महिला की एक ऐसी अलग छवि बनाई है, जो सबल, स्वतंत्र, विनोदप्रिय, बुद्धिमान और प्रतिभा से भरपूर है।

4. श्रीमती उत्थुप ने दूरदर्शन पर लीक से हटकर शो "पॉप टाइम" को प्रस्तुत किया जिसमें केवल पॉप शो होते थे। उन्होंने पूरे यूरोप, अफ्रीका और एशिया में आईसीसीआर के माध्यम से भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में एसपीसीए और डरबन में मिल्क फंड सहित विभिन्न चैरिटी के लिए बड़े पैमाने पर काम किया और 1 मिलियन रैंड से अधिक इकट्ठे किए। उन्होंने भारत सरकार के लिए 15 भाषाओं में महिला सशक्तीकरण के लिए 'आगे बढ़ो' गाया; पूर्व राष्ट्रपति श्री एपीजे अब्दुल कलाम की एक कविता पर आधारित 'द पीस प्रेयर' नामक गीत को संगीतबद्ध करके रिकॉर्ड किया। उन्होंने प्रतिष्ठित टेड और इंक सम्मेलनों में प्रस्तुति दी और दावोस में वर्ल्ड इको फोरम में प्रदर्शन किया। उन्होंने सितंबर, 2016 में वेटिकन सिटी में मदर टेरेसा के लिए कैनोनाइजेशन में भी प्रस्तुति दी।

5. श्रीमती उत्थुप ने अपनी कला के माध्यम से सामाजिक कार्यों के लिए खुद को समर्पित कर दिया है। उन्होंने कालीघाट, कोलकाता में प्रेम दान, शिशु भवन के लिए धन जुटाया और मदर टेरेसा की मिशनरीज ऑफ चैरिटी के लिए काम किया; उन्होंने पोप के निमंत्रण पर वेटिकन सिटी में मदर की बीटीफिकेशन में भारत का प्रतिनिधित्व किया; स्पास्टिक्स एसोसिएशन के लिए बड़े पैमाने पर काम किया; लेप्रोसेरियम के लिए सक्रिय रूप से काम किया और देश भर में कुष्ठ रोग से पीड़ित लोगों के लिए आवास बनाने में सहयोग किया; कैंसर, एड्स, महिला तस्करी, बाल शोषण के लिए शोध में मदद करने वाले अनगिनत गैर सरकारी संगठनों और सरकार के साथ काम किया; एड्स के लिए रिचर्ड गेरे फाउंडेशन के साथ काम किया। उन्होंने महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़े स्वयं, लाडली जैसे गैर-सरकारी संगठनों के साथ काफी काम किया; सुनामी पीड़ितों के लिए और हाल ही में आइला के पीड़ितों के लिए 100 से अधिक कलाकारों को एकजुट किया। उन्होंने बेसहारा बच्चों और रेड लाइट एरिया के बच्चों के लिए काम किया।

6. श्रीमती उत्थुप को गीत के माध्यम से दुनिया के समुदायों को एक साथ लाने में योगदान के लिए दिवंगत राष्ट्रपति मजी जोमो केन्याटा ने 'की टू केन्या' से सम्मानित किया और राष्ट्रपति डैनियल अरैप मोई ने उन्हें पर्सन ऑफ द वर्ल्ड का खिताब दिया। उन्हें वर्ष 2011 में पद्म श्री पुरस्कार; 2011 में "डार्लिंग" गाने के लिए फिल्म फेयर अवॉर्ड और 2017 में रेडियो मिर्ची की तरफ से लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी मिल चुका है।